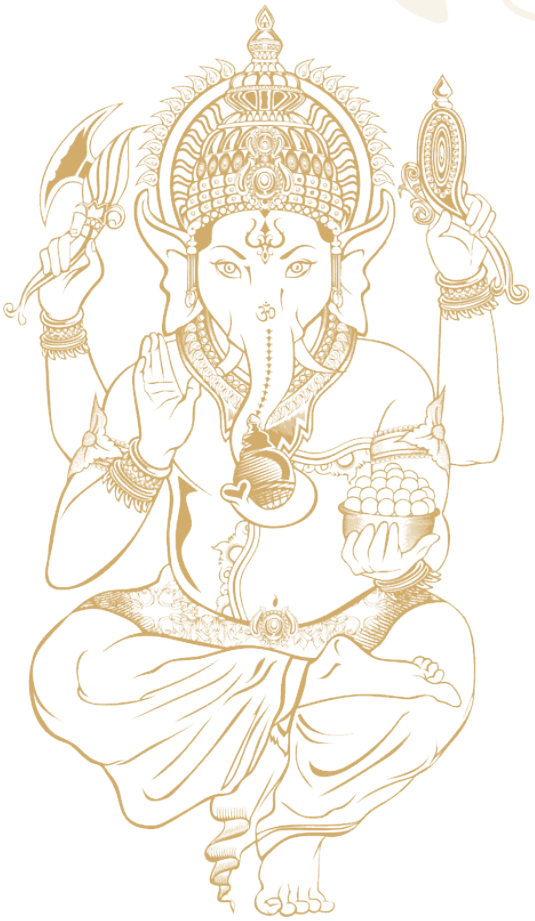

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
19/12/1996	जन्म तिथि	25-26/08/1998
गुरुवार	दिन	मंगल-बुधवार
घंटे 12:00:00	जन्म समय	00:00:00 घंटे
घटी 12:28:12	जन्म समय(घटी)	44:39:00 घटी
India	देश	India
Khargone	स्थान	Khargone
21:49:00 उत्तर	अक्षांश	21:49:00 उत्तर
75:39:00 पूर्व	रेखांश	75:39:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:27:24	स्थानिक संस्कार	-00:27:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:00:43	सूर्योदय	06:08:24
17:48:10	सूर्यास्त	18:50:17
23:48:54	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:10

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 3वर्ष 2मा 18दि		24:43:58	कुंभ	लग्न	वृष	14:01:59	चन्द्र 2वर्ष 7मा 2दि	
शुक्र		03:49:35	धनु	सूर्य	सिंह	08:30:56	राहु	
09/03/2007		27:28:38	मीन	चंद्र	कन्या	19:52:46	28/03/2008	
09/03/2027		00:42:55	कन्या	मंगल	कर्क	09:21:34	29/03/2026	
शुक्र	08/07/2010	23:42:46	धनु	बुध	कर्क	22:20:40	राहु	10/12/2010
सूर्य	08/07/2011	28:27:24	धनु	गुरु व	मीन	01:54:22	गुरु	04/05/2013
चन्द्र	08/03/2013	08:43:43	वृश्चि	शुक्र	कर्क	21:19:50	शनि	10/03/2016
मंगल	08/05/2014	07:01:09	मीन	शनि व	मेष	09:42:18	बुध	28/09/2018
राहु	08/05/2017	10:26:58	कन्या व	राहु व	सिंह	07:37:19	केतु	16/10/2019
गुरु	07/01/2020	10:26:58	मीन व	केतु व	कुंभ	07:37:19	शुक्र	16/10/2022
शनि	09/03/2023	08:46:44	मक	हर्ष व	मक	16:03:49	सूर्य	09/09/2023
बुध	07/01/2026	02:33:38	मक	नेप व	मक	06:06:09	चन्द्र	10/03/2025
केतु	09/03/2027	10:07:14	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	11:29:06	मंगल	29/03/2026

लग्न-चलित

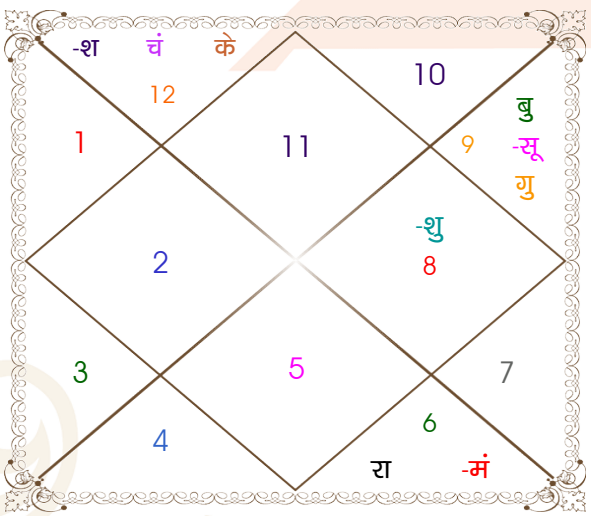

लग्न-चलित

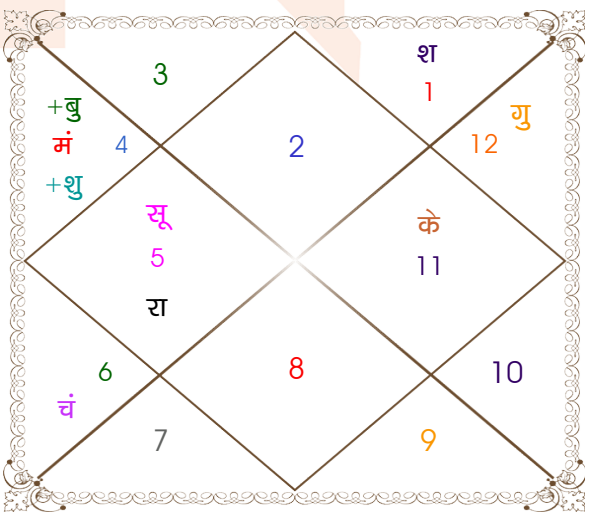

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गज	महिष	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	बुध	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	कन्या	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

Mr. का वर्ग सिंह है तथा Ms. का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु Mr. कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms. कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है। Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।